MEDIA COVERAGE

01

AUGUST, 2022

DAINIK BHASKAR

13.08.2022

BHOPAL

शहर को मिलेगी रफ्तार • भोपाल में मेट्रो की शुरुआत 3 कोच के साथ होगी, बाद में इन्हें बढ़ाकर 6 किया जाएगा

दिल्ली के बाद अब भोपाल में होगी गोआ-4 तकनीक की मेट्रो, सालभर में सुभाष नगर से RKMP स्टेशन के बीच 5 स्टॉपेज के साथ शुरू होगी

मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इसे पूरा करने का टारगेट सितंबर 2023 रखा

विशाल त्रिपाठी | भोपाल

भोपाल में मेट्रो को पहले चरण में 4 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर बनाकर शुरू किया जाएगा। सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच पांच स्टेशन बनेंगे। राजधानी में मेट्रो की शुरूआत तीन कोच के साथ की जाएगी। बाद में इन्हें बढ़ाकर 6 किया जाएगा। भोपाल मेट्रो की खासियत उसकी गोआ-4 तकनीक होगी, यानी बगैर ड्राइवर के भी इसे चलाया जा सकेगा। देश में इस तकनीक से केवल दिल्ली मेट्रो ही चलाई जा रही है। यही तकनीक इंदौर मेट्रो में भी होगी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इसे पूरा करने का टारगेट सितंबर 2023 रखा है। दावा भी है कि जिस रफ्तार से फिलहाल काम चल रहा है, कंपनी इस टारगेट को समय पर पूरा कर लेगी। मेट्रो रेल पर भोपाल-इंदौर में 14 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस लिहाज से इस प्रोजेक्ट को भोपाल के लिए सबसे बड़ा मौजूदा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इसके लिए एम्स से करोंद चौराहा और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहे के बीच 30 किमी के दो कॉरिडोर बनाए जाने हैं।

यानी बगैर पायलट के भी चलाया जा सकेगा

भोपाल मेट्रो में ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन (गोआ-4) तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी इसे बिना पायलट के भी चलाया जा सकेगा। इससे पहले इस तकनीक का इस्तेमाल दिल्ली में ही हुआ है। मुंबई और बेंगलुरू मेट्रो तक में ये तकनीक नहीं है।

एनसीएमसी कार्ड और क्यूआर कोड से टिकट की सुविधा

भोपाल और इंदौर मेट्रो में ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम भी लगेगा। ये नेशनल कॉमन मोबेलिटी (एनसीएमसी कार्ड) और क्यूआर कोड टिकट सिस्टम पर आधारित होगा। इससे लोगों को टिकट लेने में आसानी होगी।

सुभाष नगर पर डिपो-वर्कशॉप का काम भी जल्द शुरू होगा

भोपाल में सुभाष नगर पर बनने वाले डिपो और वर्कशॉप के निर्माण का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। फिलहाल यहां फार्मेशन का काम किया जा रहा है। एम्स से सुभाष नगर के बीच 6.225 किमी लंबे ऐलिवेटेड पुल के डिजाइन और निर्माण किया जा रहा है।

14 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं भोपाल-इंदौर मेट्रो पर, इस लिहाज से ये प्रोजेक्ट भोपाल का सबसे बड़ा मौजूदा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इसमें कम्यूनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) तकनीक पर आधारित मूविंग ब्लॉक प्रणाली भी होगी। इससे लगातार दो ट्रेनों के बीच में सुरक्षा दूरी बनाए रखेगी और दो ट्रेनों के आपस में टकराने की संभावनाएं न के बराबर होंगी।

भोपाल में 81 और इंदौर में 75 कोच के हुए ऑर्डर

इस प्रोजेक्ट के लिए बेहद जरूरी मेट्रो रेल के कोच (डिब्बे) का ऑर्डर कर दिया गया है। भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 कोच ऑर्डर किए गए हैं। इन्हें 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जा रहा है, लेकिन इसे 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जाएगा। हर कोच 2.9 मीटर चौड़ा और 22 मीटर लंबा होगा। इसमें सिग्नलिंग और टेलीकॉम प्रणाली, स्मोक डिटेक्टर प्रणाली भी होगी। एयर सस्पेंशन तकनीक से सफर भी ट्रेन जैसे हिलते हुए नहीं होगा।

02

DAINIK BHASKAR

23.08.2022

BHOPAL

सुविधा डेबिट कार्ड की तरह इस्तेमाल कर सकेंगे यात्री, ट्रांजेक्शन पर कैशबैक की भी रहेगी सुविधा

पार्किंग व खरीदारी के काम भी आएगा मेट्रो का कार्ड

विश्वास चतुर्वेदी ● भोपाल

भोपाल और इंदौर मेट्रो में किराया भुगतान के लिए यात्रियों को नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) दिए जाएंगे। यह कार्ड मेट्रो ट्रेन में किराया चुकाने के साथ डेबिट कार्ड की तरह बहुउद्देश्यीय रूप में काम आ सकेंगे। इस स्मार्ट कार्ड से लोग सिटी बस, पार्किंग, खरीदारी, टोल टैक्स समेत अन्य सेवाओं का भुगतान भी आसानी से कर सकेंगे। विशेष बात यह है कि इसमें आनलाइन कंपनियों की तरह प्रति ट्रांजेक्शन कैश बैक भी मिलेगा।

आनलाइन पेमेंट व पैसे निकालने की सुविधा भी रहेगी : नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड के माध्यम से बहुत सी सेवाओं जैसे- मेट्रो, बस, रेलवे, टोल, पार्किंग व अन्य रिटेल सेवाओं का भुगतान किया जा सकेगा। इस कार्ड के माध्यम से आनलाइन पेमेंट व पैसे निकालने की सुविधा भी रहेगी। भोपाल और इंदौर मेट्रो के संचालन से पहले वन नेशन वन कार्ड बनाने के लिए पोर्टल लांच किया जाएगा। इसके बाद यात्री लोकल ट्रेन सेवाओं, बस सेवाओं, आदि का लाभ एमसीएमसी के माध्यम से ले सकते हैं। इस कार्ड में कैशबैक का आफर भी प्राप्त होगा। मध्य प्रदेश मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार इसका इस्तेमाल अन्य शहरों की मेट्रो और सेवाओं के लिए भी किया जा सकेगा।

लंबी कतारों से यात्रियों को मिलेगी मुक्ति

गौरतलब है कि लोगों को यात्रा के समय बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे- खुल्ले पैसे ना होने की वजह से परेशान होना या कई बार पैसों की चोरी हो जाती है, या मेट्रो स्टेशन पर लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ता है। इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मेट्रो कंपनी एनसीएमसी कार्ड की शुरुआत करेगी। इससे यात्रियों भीड़-

भाड़ का सामना और लाइन में परेशान नहीं होना पड़ेगा।

निजी व सरकारी बैंकों से जारी होंगे कार्ड

स्वचालित किराया संग्रह (आटोमेटिक फेयर कलेक्शन) मशीन के जरिए किराए का भुगतान एनसीएमसी कार्ड से होगा। सभी निजी और सरकारी बैंक नेशनल कामन मोबेलिटी फीचर वाले कार्ड जारी कर सकेंगे। लेकिन महत्वपूर्ण रहेगा कि एएफसी मशीन आपरेटर किस बैंक से अनुबंध करता है।

हालांकि, अन्य शहरों में उन्हीं सेवाओं के भुगतान के लिए उपयोग किया जा सकेगा जो नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड से लिंक होंगी। अभी यह सुविधा केवल दिल्ली मेट्रो में एकमात्र रूट पर चल रही है।

यह एक कान्टेक्टलेस एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा, साथ ही इससे यात्रा के बदले चुकाने वाला किराया भी दे सकेंगे। सिटी बसों के किराए, टोल टैक्स और पार्किंग शुल्क के साथ खरीदारी भी की जा सकेगी। आने वाले दिनों में इस कार्ड का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि ग्राहकों को अलग-अलग तरह के कार्ड रखने की जरूरत नहीं होगी।

-**निकुंज श्रीवास्तव**, एमडी मप्र मेट्रो